VOLUME-III ISSUE-XIV SUBSCRIBE@DITUNIVERSITY.EDU.IN JUNE 2018

THE CAMPUS SCOOP

The Editorial Board

DITU 1998-2018

DIT UNIVERSITY
IMAGINE ASPIRE ACHIEVE

AN INSIGHT OF MONTHLY HAPPENINGS

INTERNATIONAL YOGA DAY

After the United Nations declared June 21 as International Yoga Day,Prime Minister Narendra Modi has been celebrating this day with the public every year.This year Dehradun was selected to celebrate International Yoga Day On 21st June ,2018.
To be part of this celebration, faculty and students of the University volunteered at the program held at Forest Research Institute, Dehradun where the Chief Guest for the event was the Prime Minister of India, Sh.Narendra Modi.
An In-University yoga session was even held in the campus at the Vishwakarma Seminar Hall.

-Aditi Misra
B.Tech Mechanical Engg-II Year

International Yoga Day Celebration In DITU

WORLD ENVIRONMENT DAY CELEBRATION

World Environment Day was celebrated by National Service Scheme (NSS) unit at DIT UNIVERSITY under the guidance of Dr. Naveen Singhal. A rally was organised from KUTHAL GATE near the university to MALSI DEER PARK on 5th June,2018. The aim of the rally was - 'BEAT PLASTIC POLLUTION'. All the local vendors along the way were advised to stop using plastic bags and plastic cups. 'KULHADS' were distributed as a substitute to discourage the use of plastic cups.
The rally was welcomed by the nearby shops and vendors and was appreciated by the public.

- Hassan
CSE 3rd Yr

DELEGATION VISIT

DITU was visited by foreign delegates from Lambton College Ontario, Canada. The discussions held were regarding major college issues from west to east. It was an innovative and open experience for the administration and faculty of a college from the northern hills to provide hospitality to those prevailing from the far east.

-Kunwar Pratap Singh
Civil 3rd Yr

FDP ON STUDENTS' INDUCTION PROGRAMME

IN COLLABORATION WITH AICTE & IIT-BHU

When new students enter an institution they come with diverse backgrounds and preparation. Thus, it is important to help them to adjust to the new environment and inculcate in them the ethos of the institution with the larger sense of purpose. With this idea in mind, DIT university organized FDP(faculty development program) on student's induction in collaboration with AICTE & IIT-BHU held from 18th to 20th June ,2018 . It was a three day Programme that turned out really well.
The main objectives of this program were as follows:

- The AICTE induction programs are essential for the technical teachers for their professional refinement.
- Updating knowledge and improving organizational and pedagogical skills of the teachers.
- Providing an opportunity to the teachers to familiarize themselves with modern engineering practices, including the latest technological advances adopted by industry.
- Opening up before teachers new vistas in Technology at the Frontier of knowledge and the challenges.Opportunities which provide to the dedicated hard working.

The program was a great success . DIT University looks forward to carry out many such programs that will help the faculty member to explore new ideas to better methods of teaching so that the students can receive the best of their knowledge

-Shreyee Dobhal
CSE 2nd Yr

'शिक्षा में अंकों का महत्व'

जैसा कि आजकल बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की ऋतु चल रही है, तो हर तरफ से अंकों की वर्षा की खबर आ ही जाती है। कहीं बौछार, कहीं हल्की वर्षा तो कहीं-कहीं गरज के साथ ओले भी पड़ते सुनाई पड़ रहे हैं। अंकों की वर्षा कितनी हुई, इसका बच्चों से ज्यादा असर उनके अभिभावकों पर पड़ रहा है। और हो भी क्यों ना, आखिर अड़ोस-पड़ोस और नाते-रिश्तेदार जो पूछने वाले हैं। आखिर उन्हीं लोगों ने तो उन बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए कष्ट वहन किए हैं, उन बच्चों ने बड़ा होकर उन्हीं का तो नाम रोशन करना है।

उपरोक्त शब्द शायद थोड़ा कठोर थे, परंतु आजकल यह हमारे आस-पास के वातावरण से ही परिकल्पित हैं। क्या कोई भी बच्चा अपनी अकादमिक परीक्षाओं में कितने अंक लाया, उसका आगामी जीवन, उसका चरित्र सिर्फ इसपर निर्भर करने वाला है? क्या जो लोग अपनी परीक्षाओं में अच्छे अंक नहीं लाये, उन्होनें जीवन में कुछ प्राप्त नहीं किया? जैसे-जैसे हमारा समाज शिक्षित होता जा रहा है, यह अंकों का कीड़ा वैसे-वैसे हमारे दिमाग को चाटता जा रहा है। आखिर क्यों हमारा समाज इस ओर मुड़ गया है, यह एक विचारणीय विषय है।

अगर एक बच्चा नकल करता है, तो उसका एक कारण होता है, उसके अभिभावक का उससे अंकों की अति अपेक्षा करना। अगर एक अभिभावक अति अपेक्षा करता है, तो उसका एक कारण होते हैं वो पड़ोसी, रिश्तेदार। मुझे यह सब एक गोल चक्र के समान प्रतीत होता है, जिसके तीन हिस्से हैं – पड़ोसी या रिश्तेदार, अभिभावक और वह बच्चा, जिसमें अंत में पिसना उस बच्चे को ही पड़ता है। क्या इस तरह की शिक्षा से हम एक अच्छा समाज स्थापित कर पाएंगे? आज अगर बेरोजगारी हमारे देश में एक समस्या है, तो उसका एक सबसे बड़ा कारण यह भी है। आज अगर चतुर्थ-श्रेणी के पदों के लिए परास्नातक भी आवेदन कर रहे हैं, तो उसका भी एक कारण यही है। हाल ही में उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली में प्रश्न-पत्र लीक होने का मामला प्रकाश में आया, यहाँ तक की फर्जी तरीके से बोर्ड के अंकों में छेड़छाड़ तक की गयी। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि, यह सब अब भ्रष्टाचार को भी जन्म देने लगा है।

क्या हम एक 'शिक्षित-अशिष्ट' समाज को जन्म नहीं दे रहे हैं? क्या फ़ायदा है ऐसे शिक्षित होने का? क्या ठीक नहीं होगा कि हम बच्चों को अंकों की दौड़ में लगाने कि बजाय उनमें नैतिक मूल्य स्थापित करें, उनकी रचनात्मकता बढ़ाने का प्रायस करें, जो कि आगे चलकर उनके जीवन के हर मोड़ में उनके काम आए? क्या अंकों की दौड़ में हम यह भी भूल गए हैं, कि जीवन हर मोड़ एक परीक्षा है, जिसमें अंक निर्धारित नहीं होते, अपितु हमें बस उस परीक्षा को अपनी बुद्धिमता से पार करना होता है?

वह बच्चा, वह अभिभावक, वह पड़ोसी, रिश्तेदार हम में से ही है। हम अपने-अपने स्तर पर अगर खुद में बदलाव लाएँ, तो यह सब कुछ बिलकुल बदल सकता है। हमें हर क्षेत्र में ऐसे लोग मिल जाएंगे जिन्होनें इन अंकों की दौड़ में बिना कूदे भी बहुत नाम कमाया जैसे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर, विज्ञान में अल्बर्ट आइन्सटाइन, उद्योग में धीरुभाई अंबानी, स्टीव जॉब्स, हेनरी फोर्ड, राजनीति में अब्राहम लिंकन आदि। हमें इनकी जीवनियाँ पढ़नी चाहिए। साहित्य में भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है, अङ्ग्रेज़ी में विलियम शेक्सपियर, हिन्दी में कालीदास आदि।

निम्नलिखित पंक्तियाँ मुझे कहीं पढ़ने का अवसर मिला, जो कि शिक्षा के अर्थ को अपने में बड़े अच्छे से पिरोये हुए हैं :

अंधकार को दूर कर जो प्रकाश फैला दे,
बुझी हुई आस में जो विश्वास जगा दे, वह है शिक्षा।
दुर्गम मार्ग को जो सरल बना दे,
चकाचोंध और वास्तविकता में जो अंतर दिखला दे, वह है शिक्षा।
इंसानियत और पशुता के बीच का जो अंतर समझा दे,
शांति, सुकून और खुशियों का जो मंत्र बटला दे, वह है शिक्षा।

एक 'शिष्ट-शिक्षित' बनें, और एक 'शिष्ट-शिक्षित' समाज बनाएँ।

-SHIVAM RATURI
Civil 4th Yr

Faculty Development Programme

National Yoga Day celebration

Delegates visit DIT University

Delegates from Canada visit DIT University

NSS - World Environment Day 2018

Photo Session after FDP

National Yoga Day celebration

Photo Session after FDP

The Editorial Board

STUDENT EDITOR

EDITOR-IN-CHIEF

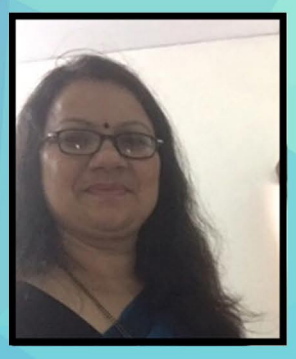

DEPUTY STUDENT EDITOR

CREATIVE HEADS

DESIGNING HEAD

EDITORIAL HEADS

PUBLICITY HEAD

CREATIVE TEAM

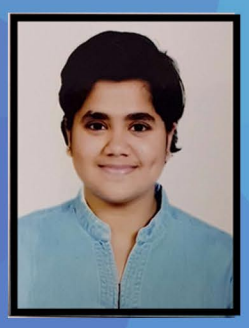

EDITING TEAM

PUBLICITY TEAM

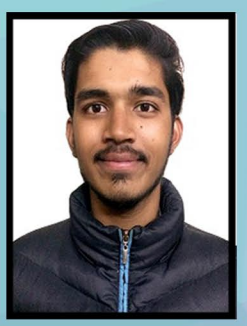

DESIGNING TEAM

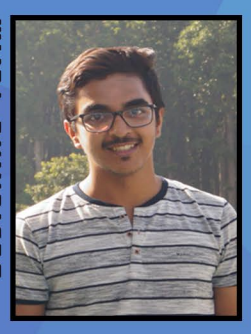

Editor-in-chief : Dr. Kiran Badoni Mamgain

Student Editor : Aishwarya Sharma

Deputy Student Editor : Ayush Shrivastava

Creative Heads (L to R) : Shivani Gupta and Shivangi Lakhera

Designing Head : Sukriti Joshi

Editing Heads (L to R) : Ankita Kumari & Samreen Popli

Publicity Head : Ashutosh Tripathi

Creative Team (L to R) : Shreyee Dhobhal , Aditi Misra , Athiyaman , Hassaan , Shivam Raturi ,Satyam Kumar and Aditya Rawat

Editing Team (L to R) : Saurabh Dimri , Ridhima Goel , Aastha Tewari , Ananya Upadhyay , Kunwar Akshyat Pratap

Publicity Team (L to R) : Prabhav Goel & Ayush Gupta

Designing Team (L to R) : Bhaskar Karnatak & Srijan Sameer